Regarding loan disbursal by public sector banks in Bihar-Laid

श्री राजेश रंजन **(पूर्णिया) :** बिहार की प्रतिव्यक्ति आय 66,828 रूपये वर्ष 2023-24 में है, वही भारत की वर्ष 2023-24 में प्रति व्यक्ति आय 2 लाख 28 हजार रूपये है । बिहार राज्य के सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंको में बिहार वासियों की एफ०डी० (फिक्स डिपोजिट) में सबसे अधिक धन राशि जमा है । सार्वजनिक बैंक ऋण अनुपात जमा यानी बैंकों का जो कर्ज देने की प्रवृति है वो 30 % है| जबकी 70% धनराशि बिहार के सार्वजनिक बैंक दूसरे राज्यों को ऋण देते है । ऐसा क्यों? एक किसान जब बिहार के किसी भी सरकारी बैंक में अपना के०सी०सी० कार्ड के लिए आवेदन करता है तो उसका किसान के०सी०सी० कार्ड काफी भागदौड़ करने के बाद बन पाता है । हमारे बिहार से खाड़ी देशों में लाखों-लाख की तादाद में कुशल और अकुशल कामगार काम करते है । देश की G.D.P. का तीन प्रतिशत अगर विदेशी मुद्रा की देन है तो इसमें बिहारी श्रमिकों का बहुत बड़ा योगदान है । जो अपनी कमाई प्रतिमाह खाड़ी देशों से भेजता रहता है । अत: मैं सरकार से माँग करता हूँ कि बिहार में सार्वजनिक बैंक ऋण देने के प्रवाह में वृद्धि करें ।

_____

12.08 hrs